वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष : 5 अंक : 234 | रविवार 21 दिसम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@... पेज 2

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रदेश शैक्षिक सम्मेलन में मुख्यमंत्री का आह्वान

विकसित भारत और विकसित राजस्थान की नींव शिक्षक मजबूत करेंगे : भजनलाल शर्मा

शिक्षा केवल ज्ञान नहीं, राष्ट्र निर्माण का प्रकाश है...

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से 21वीं सदी के भारत को मिलेगी नई दिशा

मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा से बढ़ेगा विद्यार्थियों का आत्मविश्वास

शिक्षक समाज के पथ-प्रदर्शक और भविष्य के शिल्पकार

यूनिफॉर्म और स्कूल बैग के लिए 800 रुपये डीबीटी से सहायता

71 नए राजकीय महाविद्यालय

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि शिक्षा केवल अक्षरों का ज्ञान नहीं, बल्कि वह प्रकाश है जो अज्ञानता के अंधकार को दूर कर राष्ट्र के भविष्य को आलोकित करता है। शिक्षक ही वह शक्ति हैं, जिनके कंधों पर विकसित भारत और विकसित राजस्थान की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्वगुरु बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 21वीं सदी के भारत को नई दिशा देने वाली है। मुख्यमंत्री शनिवार को लियो इंटरनेशनल संस्थान में आयोजित राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रदेश शैक्षिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षाविद् और संगठन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शिक्षा से ही सामाजिक परिवर्तन संभव

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे गरीब, वंचित और पिछड़े वर्गों का उत्थान संभव है। उन्होंने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर का उल्लेख करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने कहा था शिक्षा शेरनी का दूध है, जो पिएगा वह दहाड़ेगा। यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि राज्य को ऐसी शिक्षा प्रणाली चाहिए जो विद्यार्थियों का केवल बौद्धिक विकास ही नहीं, बल्कि नैतिक, आत्मिक और सांस्कृतिक विकास भी करे। शिक्षा संस्कारों से जुड़ी हो, ताकि विद्यार्थी शिक्षित होने के साथ-साथ संस्कारवान नागरिक भी बनें।

भविष्य निर्माता और राष्ट्र निर्माता

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक की भूमिका केवल पाठ्यक्रम पढ़ाने तक सीमित नहीं होती। शिक्षक समाज के पथ-प्रदर्शक होते हैं और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य गढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक दीपक के समान होता है, जो स्वयं जलकर समाज को प्रकाश देता है। उन्होंने ऐतिहासिक उदाहरण देते हुए कहा कि आचार्य चाणक्य ने एक साधारण बालक चंद्रगुप्त को सम्राट बनाया, क्योंकि उनके पास शिक्षा और दृष्टिकोण की शक्ति थी। चाणक्य का कथन "प्रलय और निर्माण शिक्षक की गोद में पलते हैं" आज भी शिक्षक की महत्ता को रेखांकित करता है।

युवाओं के लिए सुरक्षित भविष्य

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सरकार ने अपने संकल्प पत्र के वादों को गंभीरता से पूरा किया है। दो वर्षों में 70 प्रतिशत से अधिक वादे पूरे किए जा चुके हैं या प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि 92 हजार युवाओं को सरकारी नियुक्तियां दी गई हैं और 1.53 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि दो वर्षों में एक भी पेपर लीक की घटना नहीं हुई, जो युवाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शैक्षिक सम्मेलन केवल संवाद का नहीं, बल्कि चिंतन और नवाचार का सशक्त मंच है।

डिजिटल शिक्षा और स्मार्ट क्लासरूम

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 4 हजार से अधिक विद्यालयों में 8 हजार से अधिक स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किए गए हैं। पीएम श्री विद्यालयों में 500 डिजिटल लाइब्रेरी खोली गई हैं। 714 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास और 142 पीएम श्री विद्यालयों में ओ-लैब की स्थापना की गई है। उन्होंने बताया कि काली बाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना और देवनारायण स्कूटी योजना के तहत 39,586 स्कूटियों का वितरण किया गया है। साथ ही, 65 हजार स्कूल भवनों की मरम्मत का कार्य प्रगति पर है।

शिक्षा क्षेत्र में अभूतपूर्व पहल

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने बीते दो वर्षों में शिक्षा क्षेत्र में कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। राजकीय महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। पहले चरण में 36 राजकीय कन्या महाविद्यालयों में यह व्यवस्था शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि लघु, सीमांत, बटाईदार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के बच्चों के लिए राजकीय महाविद्यालयों में राजकीय निधि कोष में लिया जाने वाला शुल्क माफ किया गया है, जिससे उच्च शिक्षा तक उनकी पहुंच आसान होगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति : रटंत से तर्क और कौशल की ओर

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति यह सुनिश्चित करती है कि भाषा किसी भी विद्यार्थी की प्रगति में बाधा न बने। प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा से बच्चों की समझ और आत्मविश्वास बढ़ता है। इस नीति का उद्देश्य रटने की प्रवृत्ति के स्थान पर तार्किक सोच, विश्लेषणात्मक क्षमता और रचनात्मकता को विकसित करना है। उन्होंने कहा कि वोकेशनल शिक्षा और स्किल ट्रेनिंग के माध्यम से विद्यार्थी केवल डिग्री धारक नहीं, बल्कि दक्ष नागरिक बनें। साथ ही, यदि कोई विद्यार्थी किसी कारणवश पढ़ाई छोड़ देता है, तो उसे पुनः शिक्षा से जुड़ने का अवसर भी नीति में दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस नीति को जमीनी स्तर पर सफल बनाने में शिक्षकों की भूमिका सबसे अहम है।

महाविद्यालयों का विस्तार और नए पाठ्यक्रम

मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि राज्य में 71 नए राजकीय महाविद्यालय स्थापित किए गए हैं, जबकि 177 महाविद्यालयों के भवनों का निर्माण कराया गया है। 17 महाविद्यालयों को स्नातक से स्नातकोत्तर स्तर पर क्रमोन्नत किया गया है। उन्होंने कहा कि 41 जिला मुख्यालयों पर स्थित महाविद्यालयों में बीबीए पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। सात संभाग मुख्यालयों के महाविद्यालयों में बीसीए पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 41 जिला मुख्यालयों के महाविद्यालयों में कंप्यूटर साइंस विषय की शुरूआत की गई है, जिससे विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा का लाभ मिलेगा।

स्ट्रीट लाइफ, त्योहार और यात्रा के क्षणों को जोड़ती हैं प्रियांक की फोटोग्राफी

'एकीकृत दृष्टि' में जीवन का रंगीन उत्सव

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जब कैमरे की आंख केवल दृश्य नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपी संवेदना, गति और समय को भी पकड़ लेती है, तब तस्वीरें बोलने लगती हैं। गणगौर घाट स्थित बागोर की हवेली कला दीर्घा में आरंभ हुई ''एकीकृत दृष्टि'' फोटो प्रदर्शनी कुछ इसी अनुभूति के साथ दर्शकों का स्वागत करती है। गुजरात राज्य ललित कला अकादमी के सहयोग से आयोजित अहमदाबाद के प्रसिद्ध फोटोग्राफर व ग्राफिक डिजाइनर प्रियांक मिस्त्री की पहली एकल फोटोग्राफी प्रदर्शनी का उद्घाटन राजकोट के ख्यात फोटोग्राफर जयेश एन. शाह और गुजरात गौरव छाया चित्रकार मुकेश जे. ठक्कर और ख्यात फोटो आर्टिस्ट एवं पत्रकार राकेश शर्मा 'राजदीप' ने किया। इस अवसर पर दीर्घा का वातावरण जीवंत संवाद और दृश्यात्मक ऊर्जा से भर उठा। जहां प्रियांक के प्रदर्शित 40 से अधिक छायाचित्रों में स्ट्रीट लाइफ की सहज हलचल, त्योहारों की रंगीन धड़कन और यात्राओं के दौरान मिले अनकहे पल एक-दूसरे से ऐसे जुड़ते हैं कि हर फ्रेम एक स्वतंत्र कहानी बन जाता है। प्रदर्शनी में रंग संयोजन, प्रकाश और छाया का संतुलन, सटीक फ्रेमिंग तथा परिप्रेक्ष्य का सूक्ष्म प्रयोग दर्शकों को ठहरकर देखने को विवश करता है। कहीं भीड़ के बीच उभरता अकेलापन है, तो कहीं उत्सव की उमंग में घुला सामूहिक आनंद। तस्वीरें केवल दृश्य नहीं दिखातीं, बल्कि समय और समाज की नब्ज को भी महसूस कराती हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ रंगकर्मी दीपक दीक्षित, राजेंद्र हिलोरिया, राकेश-दक्ष सोनी सहित शहर के अनेक नवोदित और स्थापित फोटोग्राफर व कलाकार उपस्थित रहे। सभी ने प्रदर्शनी को समकालीन फोटोग्राफी में एक सशक्त और संवेदनशील हस्तक्षेप बताया। फोटो प्रदर्शनी 21 दिसम्बर तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक आमजन के लिए खुली रहेगी, जहां हर दर्शक अपने अनुभवों का कोई न कोई अक्स इन तस्वीरों में खोज सकेगा। **रिपोर्ट एवं फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

सफलताओं के सौ बाप होते हैं, औरअसफलता तो अनाथ होती है : अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर विराजमान हैं उनके सानिध्य में वहां विभिन्न धार्मिक कार्योंकम संपन्न हो रहें हैं उसी श्रृंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि संसार में कोई भी कार्य कठिन नहीं है, हम ही आलसी और मन के गुलाम हो गये हैं, सफलताओं के सौ बाप होते हैं, औरअसफलता तो अनाथ होती है, राग और विराग, संसार और सन्यास, निवृत्ति और प्रवृति -- मानव जीवन के मन की यही विशेषताएं हैं। कुछ चीजे हमें अपनी ओर खींचती है, और कुछ से हम दूरी बनाकर रखते हैं। मनुष्य के मन की तर्क शक्ति बड़ी प्रबल है। वह असत्य के पक्ष में जोरदार दलीलें दे सकता है और वह जीवन भर एक सत्य पर टिक नहीं पाता, क्योंकि परिवर्तन मनुष्य का स्वभाव और नियति है। उसकी यह प्रवृत्ति उसके पौरूष को अभिव्यक्त भी करती है लेकिन इसे हम पुरूषार्थ नहीं कह सकते हैं। रागी मन संसार के सृजन में दौड़ेगा और वैरागी मन निवृत्ति की ओर अग्रसर होगा। यह दुनिया निवृत्ति की ओर नहीं, प्रवृति की ओर इशारा करती है। राग मन , कुछ और पाने की चाह में सारा जीवन तबाह कर देता है, पर मन तृप्त नहीं हो पाता है। सन्यास का मार्ग इच्छाओं को दहन करने का मार्ग है। जब तक वैरागी या सन्यासी अपनी इच्छाओं को होली के हवाले नहीं करता, तब तक उसका सन्यास का मार्ग फलीभूत भी नहीं होता। क्योंकि इच्छा ही हमारी सबसे बड़ी वासना है... !

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

विद्यार्थियों की इंटर्नशिप में योजनाओं से परिचित होने का अवसर मिला

भानगढ़, जोधपुर. शाबाश इंडिया

सात दिवसीय इंटर्नशिप में युको बैंक बालेसर द्वारा उपलब्ध करवाई गई सभी जानकारियों को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भानगढ़ के 10 विद्यार्थियों ने बैंकिंग सेवा के संबंधित सभी क्रियाकलापों जैसे की बचत खाता, चालू खाता, मनी ट्रांसफर, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना आदि से परिचित होने और इस प्रयास को काफी सार्थक बताया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भानगढ़ के उपप्राचार्य सुरेंद्र कविया ने बताया कि 10 विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया और युको बैंक बालेसर के शाखा प्रबन्धक जुगल सांखला, फतेह सिंह इन्दा, राहुल और नम्रता नायक ने अपनी संस्था के प्रोसेस के बारे में काफी विस्तृत तौर पर इन सभी विद्यार्थियों को जानकारी उपलब्ध करवाई। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत भारती एयरटेल फाउंडेशन हमेशा से विद्यार्थियों के लिए ऐसा प्लेटफॉर्म उपलबध करवाता रहता है।

उड़ान: एक नई विरासत की शुरूआत

बलूनी पब्लिक स्कूल का वार्षिक उत्सव बना प्रेरणा का पर्व

संजय सिंह. शाबाश इंडिया

आगरा। बलूनी पब्लिक स्कूल, यूनिटझक्कड़ शास्त्रीपुरम में आज विद्यालय का वार्षिक समारोह उड़ान एक नई विरासत की शुरूआत अत्यंत भव्य, गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और बहुआयामी प्रतिभा ने मंच को जीवंत कर दिया, वहीं अभिभावक एवं अतिथि भावविभोर होकर प्रस्तुतियों के साक्षी बने। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों राकेश जी (एएसपी, एसटीएफ), विंग कमांडर तुषार टंडन, डॉ. अलका सेन (वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ), विद्यालय के एमडी के. पी. सिंह तथा बलूनी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के चेयरमैन डॉ. नवीन बलूनी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों की सजीव एवं मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को भव्यता प्रदान की।

संस्कार, सृजन और आत्मविश्वास की उड़ान

नृत्य, संगीत, नाट्य एवं रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं, बल्कि संस्कार, आत्मविश्वास और सृजनात्मकता की समृद्ध विरासत भी है। उड़ान थीम के अंतर्गत बच्चों ने अपने सपनों, संकल्पों और भविष्य की संभावनाओं को मंच पर सशक्त अभिव्यक्ति दी। भारतीय सांस्कृतिक विविधता, आधुनिक दृष्टिकोण और मूल्यपरक शिक्षा का सुंदर समन्वय पूरे कार्यक्रम में दृष्टिगोचर हुआ।

नृत्य प्रस्तुतियाँ बनीं आकर्षण का केंद्र

शास्त्रीय, लोक एवं आधुनिक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंग-बिरंगे परिधान, भावपूर्ण अभिनय और सधे हुए कदमों में विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और रचनात्मकता स्पष्ट झलकी, जिसे उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों ने भरपूर सराहा।

संगीत की मधुरता से गूंजा सभागार

देशभक्ति गीतों, प्रेरणादायक समूह गान एवं वाद्य संगीत की प्रस्तुतियों ने सभागार को सुरों की मधुरता से भर दिया। सामूहिक गायन में विद्यार्थियों की लय, ताल और समर्पण ने एकता, संस्कार और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश दिया।

ताइक्वांडो प्रदर्शन ने बढ़ाया रोमांच

कार्यक्रम का सबसे रोमांचक एवं प्रेरणादायक क्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत ताइक्वांडो प्रदर्शन रहा। आत्मरक्षा, साहस, अनुशासन और तकनीकी दक्षता से सजी इस प्रस्तुति ने दर्शकों को अत्यंत प्रभावित किया और शारीरिक व मानसिक सशक्तिकरण के महत्व को रेखांकित किया।

प्रतिभाओं का सम्मान

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में शैक्षणिक, खेलकूद एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। अभिभावकों ने बच्चों की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करते हुए विद्यालय के प्रयासों की सराहना की।

प्रेरक संदेश और भावपूर्ण समापन

विद्यालय की प्रधानाचार्या मनप्रीत कौर एवं प्रबंधक सौरभ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि यह समारोह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और उड़ान उनके उज्ज्वल भविष्य की ओर पहला सशक्त प्रयास है। मुख्य अतिथि ने विद्यालय की पहल की प्रशंसा करते हुए विद्यार्थियों को निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास के साथ ऊँची उड़ान भरने का संदेश दिया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। यह वार्षिक उत्सव सभी के मन में नई ऊर्जा, प्रेरणा और आशा का संचार करते हुए उड़ान एक नई विरासत की शुरूआत को पूर्णतः सार्थक कर गया। इस अवसर पर विद्यालय के एमडी के. पी. सिंह, बलूनी ग्रुप के एडमिन हेड डॉ. ललितेश यादव सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

धर्म, भाषा, संस्कृति और साहित्य के संरक्षण का अद्वितीय कार्य

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य उद्घाटन

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। इंदौर शहर के लिए शनिवार का दिन विशेष और स्मरणीय बन गया। श्री दिगंबर जैन उदासीन आश्रम ट्रस्ट द्वारा संचालित कुंद-कुंद ज्ञानपीठ, इंदौर की दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ अंतमुर्खी मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद शंकर लालवानी, कार्यक्रम अध्यक्ष नई दिल्ली स्थित विद्याभूषण लोकमंगल न्यास के अध्यक्ष डॉ. जयकुमार उपाध्ये सहित अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर वेदिका जैन की सांगीतिक प्रस्तुति से मंगलाचरण हुआ। उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथियों के रूप में आईआईएमएस की पूर्व कुलगुरु प्रोफेसर रेणु जैन, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के कुलगुरु सुरेशकुमार जैन, दिल्ली के पूर्व कुल सचिव प्रोफेसर नलिन के शास्त्री, महर्षि पाणिनि विश्वविद्यालय के कुलगुरु शिवशंकर मिश्रा, प्रोफेसर संगीता मेहता तथा सह निदेशक राहुल सिंघई उपस्थित रहे। इस अवसर पर इंजीनियर अनिलकुमार जैन द्वारा रचित ग्रंथ का विमोचन अतिथियों के करकमलों से किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि कुंदकुंद ज्ञानपीठ धर्म, भाषा, संस्कृति और साहित्य के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि कासलीवाल परिवार की तीसरी पीढ़ी इस पुण्य कार्य में निरंतर संलग्न है, जो अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक है। इंजीनियर अनिलकुमार जैन ने अपने उद्बोधन में सिरि भूवलय ग्रंथ का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया। वहीं प्रोफेसर संगीता मेहता ने प्राकृत विद्या पर अत्यंत सारगर्भित प्रस्तुति देते हुए कहा कि यह संस्थान विशेष रूप से युवाओं के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रोफेसर नलिन के शास्त्री ने प्राकृत भाषा और साहित्य के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि प्राकृत स्वाभाविक रूप से जन-जन की भाषा रही है। अधिकांश प्राचीन ग्रंथ प्राकृत में ही रचे गए हैं, जिसमें बोली और भाषा के विकास में अहम योगदान दिया है। कार्यक्रम को बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के कुलगुरु सुरेशकुमार जैन ने भी संबोधित किया। वहीं कुलगुरु शिवशंकर मिश्रा ने कहा कि पूज्य साधु तीर्थ के समान होते हैं और उनकी उपस्थिति से पूरा वातावरण आध्यात्मिक हो जाता है। उन्होंने कहा कि धर्मों के विकास में जैन दर्शन का महनीय योगदान रहा है। अंतमुर्खी मुनि श्री पूज्यसागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि जिनवाणी के प्रचार-प्रसार हेतु सर्वप्रथम उसके महत्व को जन-जन तक पहुंचाना आवश्यक है। इसके लिए जब विद्वानों का ज्ञान, धनाढ्यों का सहयोग और साधु का सानिध्य—तीनों एकत्र हो जाते हैं, तब धर्म की प्रभावना निश्चित रूप से सिद्ध होती है। प्राकृत वाङ्मय एवं सिरि भूवलय के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयाम विषय पर आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में अतिथियों का सम्मान ट्रस्ट अध्यक्ष अमित कासलीवाल, आदित्य कासलीवाल एवं बाल ब्रह्मचारी अनिल भैया द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन अरविंद जैन ने किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अंतमुर्खी मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में अतिथियों द्वारा कुंद-कुंद ज्ञानपीठ परिसर में स्थापित मूर्तियों के चित्रों की प्रदर्शनी तथा दुर्लभ पांडुलिपियों के संग्रह का उद्घाटन किया गया। अतिथियों ने प्रदर्शनी एवं संग्रहालय की मुक्तकंठ से सराहना की।

इस अवसर पर अनेक विशिष्ट समाज जन उपस्थित रहे

कार्यक्रम में मनोहर झांझरी, दिलीप पाटनी, विजय काला, रितेश पाटनी,डी.के.जैन डीएसपी, दिलीप मेहता, रेखा जैन, संजय पापड़ीवाल, नरेन्द्र जैन,मनीष जैन,नवनीत जैन, श्रेष्ठी जैन, कमलेश जैन,विनोद जैन, हितेश जैन, वर्णित जैन डॉ जैनेन्द्र जैन आदि समाजजन उपस्थित थे।

वेद ज्ञान

जंगल की आत्मा

आज की दुनिया में उपलब्धियों का मूल्यांकन अक्सर कैमरों की चमक, सोशल मीडिया की सुर्खियों और मंचों पर मिलने वाली तालियों से किया जाता है। ऐसे समय में कोई व्यक्ति यदि पूरी निष्ठा से, बिना किसी प्रचार के, जीवन भर धरती और जंगल की सेवा करता रहे, तो उसका जीवन किसी लोककथा से कम नहीं लगता। तुलसी गौड़ा ऐसी ही एक विरल आत्मा थीं एक ऐसी स्त्री, जिसे धरती ने पाला, जंगल ने अपनाया और जिसने हर पत्ती, हर बीज और हर वृक्ष के माध्यम से जीवन का संदेश दिया। वे केवल एक पर्यावरण-सेवी नहीं थीं, बल्कि सच अर्थों में जंगल की आत्मा थीं ऐसी आत्मा, जिसे हम देख नहीं सकते, लेकिन जिसकी सांस हम हरियाली में महसूस करते हैं। तुलसी गौड़ा का जन्म कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के अंकला तालुक के होनाली गांव में हुआ था। यह क्षेत्र आज भी अपनी प्राकृतिक हरियाली और जैव-विविधता के लिए जाना जाता है। वे हलाक्की आदिवासी समुदाय से थीं एक ऐसा समाज, जो सदियों से प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की भावना को जीता आया है। उनका बचपन अत्यंत संघर्षपूर्ण रहा। मात्र दो वर्ष की आयु में पिता का साया उठ गया और परिवार की जिम्मेदारियों ने उन्हें बहुत जल्दी परिपक्व बना दिया। औपचारिक शिक्षा का अवसर उन्हें कभी नहीं मिला, लेकिन जंगल ही उनका विद्यालय बन गया और अनुभव उनकी पाठ्यपुस्तक। बचपन से ही उन्होंने पेड़ों, पौधों और मिट्टी के साथ ऐसा रिश्ता बना लिया था, जैसा सामान्यतः मनुष्य अपने परिवार से बनाता है। उनके लिए जंगल कोई बाहरी संसार नहीं था, बल्कि घर था। पेड़ उनके अपने थे, मिट्टी उनकी पहचान थी और बीज उनके भविष्य की आशा। इसी आत्मीयता के कारण वे प्रकृति की सूक्ष्म भाषा को समझ सकीं बीज कब अंकुरित होगा, पौधे को कितनी नमी चाहिए, किस मिट्टी में कौन-सा वृक्ष पनपेगा ये सब बातें उन्होंने अनुभव से सीखीं। कहा जाता है कि उन्होंने अपने जीवन में 30,000 से अधिक पौधे लगाए और उनकी स्वयं देखभाल की। वे केवल पौधे नहीं लगाती थीं, बल्कि उनके साथ जीवन का रिश्ता जोड़ती थीं। किसी पौधे की जड़ कमजोर हो तो उसे संभालना, सूखती मिट्टी में नमी लौटाना और आग या कटाव से जंगल को बचाना यह सब उनके दैनिक जीवन का हिस्सा था।

संपादकीय

संवाद से सुदृढ़ होती भारत-अमेरिका साझेदारी

भारत और अमेरिका के बीच हाल के दिनों में हुई उच्चस्तरीय वार्ता ने वैश्विक राजनीति को एक स्पष्ट संदेश दिया है जटिल अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संवाद ही स्थिरता और संतुलन का सबसे प्रभावी माध्यम है। बदलते भू-राजनीतिक समीकरण, वैश्विक अर्थव्यवस्था की अनिश्चितताएं और सामरिक चुनौतियों के बीच दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व की यह बातचीत न केवल समयोचित रही, बल्कि भविष्य की साझेदारी की दिशा भी तय करती दिखाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस संवाद को ''महत्वपूर्ण और सौहार्दपूर्ण'' बताया। यह टिप्पणी अपने-आप में संकेत देती है कि दोनों पक्षों ने अतीत के विवादों को पीछे छोड़ते हुए सहयोग की संभावनाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित किया। रक्षा, ऊर्जा, उभरती प्रौद्योगिकियां, वाणिज्य और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने की साझा इच्छा स्पष्ट रूप से सामने आई। पिछले कुछ वर्षों में व्यापार और टैरिफ से जुड़े मुद्दे भारत-अमेरिका संबंधों में सबसे बड़ी चुनौती रहे। अमेरिकी शुल्क नीतियों को लेकर कई बार तनाव की स्थिति बनी, किंतु भारत की विविध और लचीली अर्थव्यवस्था पर इनका प्रभाव सीमित रहा। दूसरी ओर, अमेरिका को भी यह समझ में आया कि कठोर व्यापारिक रुख से भारत जैसे उभरते साझेदार के साथ विश्वास नहीं बनता। यही कारण है कि हालिया वार्ता में टैरिफ का मुद्दा धीरे-धीरे पृष्ठभूमि में जाता दिखाई दिया। इस संवाद का व्यापक संदेश यह है कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए दोनों देश केवल सहयोग की इच्छा ही नहीं, बल्कि एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी के प्रति प्रतिबद्ध हैं। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा, ऊर्जा और जलवायु चुनौतियां, तथा उभरती तकनीकों का भविष्य इन सभी विषयों पर संयुक्त प्रयास की आवश्यकता को दोनों पक्षों ने स्वीकार किया। यह इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक विमर्श को दिशा देने वाला निर्णायक खिलाड़ी बन चुका है। वार्ता का एक महत्वपूर्ण पहलू व्यापारिक संबंधों को नई गति देने की आवश्यकता को स्वीकार करना भी रहा। संकेत मिल रहे हैं कि आने वाले महीनों में दोनों देश किसी बड़े व्यापारिक समझौते की ओर बढ़ सकते हैं। मुद्दों को टालने या टकराव की नीति अपनाने के बजाय संवाद के माध्यम से समाधान तलाशने का यह दृष्टिकोण वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी सकारात्मक संकेत है। अमेरिका द्वारा शुरू की गई 'गोल्ड कार्ड' जैसी योजनाओं और एच-1बी वीजा से जुड़ी अनिश्चितताओं ने यह भी दिखाया है कि अमेरिकी नीतियां कई बार अस्थिरता का संदेश देती हैं। फिर भी, भारत का आत्मविश्वास अब इतना मजबूत है कि वह ऐसी अनिश्चितताओं से विचलित हुए बिना समानता और सम्मान के आधार पर साझेदारी को आगे बढ़ा सके। यही कारण है कि इस संवाद में प्रधानमंत्री मोदी को रक्षात्मक रुख अपनाने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई। वैश्विक परिदृश्य आज अनेक तनावों से घिरा है यूरोप और मध्य-पूर्व में संघर्ष, एशिया-प्रशांत में शक्ति संतुलन, और आर्थिक अनिश्चितताएं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

जब परिभाषा तय करती है भविष्य

डॉ. सत्यवान सौरभ

अरावली पर्वतमाला, जो विश्व की सबसे प्राचीन पर्वत शृंखलाओं में से एक मानी जाती है, पश्चिमी भारत में सदियों से एक मौन पारिस्थितिक प्रहरी की भूमिका निभाती आ रही है। गुजरात से राजस्थान होते हुए हरियाणा और दिल्ली तक फैली यह पर्वतमाला भूजल पुनर्भरण, मरुस्थलीकरण पर नियंत्रण, जलवायु संतुलन तथा धूल और प्रदूषकों को रोकने जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य करती है। हालिया विवाद, जिसमें अरावली की कानूनी परिभाषा को पुनर्परिभाषित करने का प्रयास किया गया है, इस प्राचीन धरोहर को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा करता है, जहा शब्दों का चयन ही उसके अस्तित्व का भविष्य तय कर सकता है। इस विवाद के केंद्र में अरावली पहाड़ियों की एक नई, तकनीकी और समान परिभाषा है, जिसमें न्यूनतम ऊंचाई को मुख्य मानक माना गया है। प्रशासनिक दृष्टि से यह मानकीकरण सरल लग सकता है, लेकिन प्रकृति गणितीय रेखाओं में कार्य नहीं करती। छोटी पहाड़ियां, चट्टानी उभार, ढलान और असमतल भू-आकृतियां जो इस ऊंचाई मानक से नीचे आती हैं मिलकर एक ऐसा पारिस्थितिक तंत्र बनाती हैं, जो जलधारण, जैव विविधता और स्थानीय जलवायु के लिए अनिवार्य है। केवल ऊंचाई को प्राथमिकता देना भू-दृश्यों की कार्यात्मक भाषा को नजरअंदाज करने जैसा है। भारत में पर्यावरण संरक्षण का इतिहास काफी हद तक न्यायिक हस्तक्षेपों से जुड़ा रहा है। अरावली क्षेत्र भी दशकों से खनन प्रतिबंधों और संरक्षण आदेशों के कारण सुरक्षित रहा है। लेकिन कानूनी परिभाषा को संकुचित करने का वर्तमान प्रयास इन उपलब्धियों को बिना औपचारिक रूप से हटाए ही कमजोर कर सकता है। यदि तकनीकी कसौटियों के आधार पर पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र संरक्षण से बाहर हो जाते हैं, तो यह पर्यावरणीय सुरक्षा का परोक्ष क्षरण होगा। इसके दुष्परिणाम पहले से ही संवेदनशील क्षेत्रों में अधिक गहरे हो सकते हैं। राजस्थान की नाजुक भूजल व्यवस्था अरावली के जलग्रहण क्षेत्रों पर निर्भर है। वहीं हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर के लिए यह पर्वतमाला पश्चिम से आने वाली धूल और प्रदूषण के विरुद्ध एक प्राकृतिक दीवार का काम करती है। इन पहाड़ियों का विखंडन चाहे वह खनन, रियल एस्टेट या अवसंरचना परियोजनाओं के माध्यम से हो भूजल स्तर में गिरावट, शहरी ताप द्वीप प्रभाव और वायु गुणवत्ता में और गिरावट ला सकता है। इसकी कीमत अदालतों में नहीं, बल्कि आम लोगों के जीवन में चुकानी पड़ेगी। नई परिभाषा के समर्थक तर्क देते हैं कि स्पष्टता आवश्यक है, ताकि अस्पष्टता कम हो और विकास परियोजनाओं को गति मिल सके। यह चिंता पूरी तरह निराधार नहीं है। पर्यावरणीय शासन पारदर्शी और साक्ष्य-आधारित होना चाहिए। किंतु प्रशासनिक अस्पष्टता का समाधान पारिस्थितिक विस्मृति नहीं हो सकता। स्पष्टता का उद्देश्य संरक्षण को मजबूत करना होना चाहिए, न कि उसे खोखला करना। यह बहस एक गहरी संरचनात्मक समस्या को भी उजागर करती है भारत में पर्यावरण को अब भी विकास में बाधा के रूप में देखा जाता है, निवेश के रूप में नहीं। अरावली कोई बंजर भूमि नहीं, बल्कि एक जीवित अवसंरचना है। जल सुरक्षा, जलवायु सहनशीलता और सार्वजनिक स्वास्थ्य के रूप में इसकी सेवाओं की भरपाई कृत्रिम उपायों से संभव नहीं है। राजनीतिक प्रतिक्रियाओं से इतर, आवश्यकता एक ऐसे विज्ञान-आधारित और सहभागी ढांचे की है, जो भू-आकृतिक स्वरूप के साथ-साथ पारिस्थितिक कार्यों को भी महत्व दें।

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

लाडनूं. शाबाश इंडिया

जैन विश्व भारती संस्थान लाडनूं में अहिंसा एवं शांति विभाग तथा आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता ह्यूमन राइट्स इंटरनेशनल ऑफ जूरिस्ट,लंदन के वाइस चेयरमैन श्री वीरेंद्र वशिष्ठ रहे। व्याख्यान का विषय 'मानव एकजुटता : विश्व शांति का मूल आधार' रखा गया, जिसमें वक्ता श्री वशिष्ठ ने अपने उद्बोधन में बताया कि अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता विश्व शांति एवं विश्व कल्याण का आधार है। हम सभी का दायित्व है कि हम संप्रदाय,जाति,नस्ल,क्षेत्र एवं राष्ट्रवादी प्रवृत्तियों से ऊपर उठकर वसुदैव कुटुंबकम की भावना को बढ़ावा दे और इसके लिए सह अस्तित्व,सद्भाव एवं समायोजन की प्रवृत्तियों को अपनाए। विश्व समुदाय का निर्माण एक-एक व्यक्ति से मिलकर बना है, अतः हमें अपनी विचारधारा के साथ-साथ दूसरों की विचारधारा को भी सम्मान देना चाहिए और उस विचारधारा का भी अस्तित्व स्वीकार करना चाहिए तभी मानव एकजुटता संभव है। उन्होंने यह भी बतलाया कि व्यक्ति,परिवार तथा समाज के मध्य समन्वय होने से एकजुटता बढ़ती है और इसके लिए शिक्षा भी एक महत्वपूर्ण आयाम माना जा सकता है। इस दिशा में यदि समाज में महिलाएं अग्रणी भूमिका का निर्वाह करें तो मानव एकजुट को बढ़ावा दिया जा सकता है व्याख्यान के दौरान उन्होंने छात्राओं की उपस्थिति पर हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि जैन विश्व भारती संस्थान महिला शिक्षा के लिए काफी सराहनीय कार्य कर रहा है। इस अवसर पर आपसी विचार विमर्श के दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने जिज्ञासाएं भी रखी जिनका मुख्य वक्ता ने समाधान भी किया । व्याख्यान कार्यक्रम में सर्वप्रथम आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रविंद्र सिंह राठौड़ ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया और अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बलबीर सिंह ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संयोजन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. लिपि जैन ने किया। इस अवसर पर संकाय सदस्यों के रूप में डॉ. प्रगति भटनागर,प्रेयस सोनी, मनीष पारीक, विनय पंवार आदि के साथ संस्थान के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सी.आर.डी.ए.वी. गर्ल्स कॉलेज में मतदाता जागरूकता प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया

सी.आर.डी.ए.वी. गर्ल्स कॉलेज में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला निर्वाचन अधिकारी (सिरसा) और चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के आदेशानुसार डॉ. भूषण मोंगा के दिशा-निर्देशों में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में मतदाता जागरूकता के नोडल अधिकारी और सहायक प्रोफेसर अर्जुन सिंह तथा राजनीति विज्ञान विभाग की प्रभारी सहायक प्रोफेसर कुसुम दावरा ने मुख्य भूमिका निभाई गई। छात्राओं में लोकतांत्रिक भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से कॉलेज स्तर पर निबंध लेखन भाषण प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिताएं करवाई गईं। इस अवसर पर कॉलेज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर करुण मेहता ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा मतदाता लोकतंत्र की रीढ़ हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से छात्राओं को न केवल मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक किया जाता है, बल्कि उन्हें देश के निर्माण में अपनी जिम्मेदारी का अहसास भी कराया जाता है। इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर अर्जुन सिंह ने छात्राओं को मतदान के महत्व के बारे में विस्तार से बताया और उन्हें आगामी चुनावों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। राजनीति विज्ञान विभाग की प्रभारी कुसुम दावरा ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियों से न केवल छात्राओं का कौशल निखरता है, बल्कि वे एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में समाज में जागरूकता भी फैलाती हैं।निबंध लेखन में लक्ष्मी ने प्रथम, पायल रानी ने द्वितीय और मानसी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।रंगोली प्रतियोगिता में नवदीप, अर्शदीप और सिमरण ने अपनी कला के माध्यम से मतदान का संदेश दिया।भाषण प्रतियोगिता में नवदीप और प्रियंका ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

धर्म में धन-दौलत का दिखावा और उसकी कीमत

धर्म आत्मा की शुद्धि के लिए होता है, प्रदर्शन के लिए नहीं। लेकिन जब धर्म के मंच पर धन-दौलत का दिखावा होने लगता है, जब दान का उद्देश्य अहंकार की तृप्ति बन जाता है, तब वही धन बोझ बन जाता है। शास्त्रों और संतों ने बार-बार कहा है कि दिखावे से किया गया पुण्य भी बंधन बन जाता है, क्योंकि उसमें समर्पण नहीं, स्वार्थ छिपा होता है। ऐसे लोगों को भगवान कभी-कभी केवल एक ही समस्या देते हैं, पर वह समस्या ऐसी होती है कि फिर पूरा धन लगा देने पर भी उसका समाधान नहीं निकलता। क्योंकि वह समस्या धन की नहीं होती, वह अहंकार की होती है, वह विवेक की होती है, वह आत्मा के खोखलेपन की होती है। धर्म में दिया गया धन तभी सार्थक है जब वह विनम्रता, करुणा और मौन के साथ दिया जाए। मंदिर में बड़ा चढ़ावा चढ़ाने से पहले यह सोचना चाहिए कि क्या हमारे व्यवहार में भी उतनी ही शुद्धता है, क्या हमारे जीवन में भी उतनी ही सादगी है। जो लोग धर्म को मंच बनाकर अपनी हैसियत का प्रदर्शन करते हैं, वे भूल जाते हैं कि समय सबसे बड़ा न्यायकर्ता है। समय न धन देखता है, न पद, न प्रतिष्ठा। वह केवल कर्म देखता है। इसलिए धन का उपयोग सेवा में हो, दिखावे में नहीं। धर्म का रास्ता सादा है, लेकिन अहंकार उसे कठिन बना देता है। जो यह बात समय रहते समझ ले, वही वास्तव में धनवान है।

– नितिन जैन, संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा), जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल, मोबाइल: 9215635871

रसायन विज्ञान: हमारे जीवन का अदृश्य नायक

सुशी सक्सेना

रसायन विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं और टेस्ट ट्यूबों तक सीमित नहीं है। यह हमारे अस्तित्व का आधार है। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक, हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें कहीं न कहीं रसायनों की भूमिका होती है। यहाँ हमारे दैनिक जीवन में रसायन विज्ञान के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर एक नजर डालते हैं...

1. रसोई और भोजन: हमारा भोजन रसायनों का एक जटिल मिश्रण है। **पाचन:** जब हम भोजन चबाते हैं, तो हमारे लार में मौजूद एंजाइम (एमाइलेज) स्टार्च को तोड़ना शुरू कर देते हैं। पेट में मौजूद हाइड्रोक्लोरिक अम्ल भोजन को पचाने में मदद करता है। **संरक्षण:** भोजन को खराब होने से बचाने के लिए इस्तेमाल होने वाले परिरक्षक जैसे नमक, चीनी और सिरका रासायनिक प्रक्रिया के माध्यम से बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकते हैं। **पकाना:** बेकिंग सोडा का उपयोग करके केक फुलाना या किण्वन (Fermentation) के जरिए इडली-डोसा बनाना, ये सभी शुद्ध रासायनिक अभिक्रियाएँ हैं।

2. स्वच्छता और सौंदर्य प्रसाधन: साफ-सफाई के बिना आधुनिक जीवन की कल्पना करना असंभव है, और यह पूरी

तरह रसायन विज्ञान पर निर्भर है। साबुन और अपमार्जक-साबुन के अणु 'मिसेल' बनाते हैं, जो धूल और तेल को पानी के साथ खींचकर बाहर निकाल देते हैं। टूथपेस्ट-इसमें मौजूद फ्लोराइड और अपघर्षक (Abrasives) हमारे दांतों की सड़न रोकते हैं। सौंदर्य उत्पाद - लोशन, इत्र, और क्रीम रसायनों के सटीक संतुलन से बनाए जाते हैं ताकि वे त्वचा को नुकसान पहुँचाए बिना उसे बेहतर बनाएं।

3. स्वास्थ्य और चिकित्सा: चिकित्सा विज्ञान का विकास रसायनों के बिना अधूरा होता। दवाएँ - सिरदर्द की एक सामान्य गोली से लेकर कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कीमोथेरेपी तक, सब रसायन विज्ञान की देन हैं। एंटीसेप्टिक्स - डेटॉल या अल्कोहल-बेस्ड सैनिटाइज़र कीटाणुओं के प्रोटीन ढांचे को नष्ट कर हमें संक्रमण से बचाते हैं।

4. कृषि और पर्यावरण: बढ़ती आबादी का पेट भरने के लिए रसायन विज्ञान ने क्रांतिकारी योगदान दिया है। उर्वरक - यूरिया और फास्फेट जैसे उर्वरक मिट्टी की उपजाऊ शक्ति बढ़ाते हैं। कीटनाशक - फसल को कीटों से बचाने के लिए कीटनाशकों का प्रयोग किया जाता है।

निष्कर्ष: रसायन विज्ञान हमारे जीवन का अदृश्य नायक है। यह न केवल हमारे जीवन को सुविधाजनक और सुरक्षित बनाता है, बल्कि भविष्य की चुनौतियों (जैसे स्वच्छ ऊर्जा और नई बीमारियों का इलाज) का समाधान खोजने में भी सक्षम है। हालांकि, रसायनों का सावधानीपूर्वक और संतुलित उपयोग करना अनिवार्य है ताकि हम पर्यावरण को सुरक्षित रख सकें।

माँ तुलसी की भक्ति से मोक्ष संभव : प्रो. रमेश रावत

तुलसी नगर भ्रमण के पोस्टर का विमोचन

विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में दिनांक 25 दिसंबर को सीताराम मंदिर, गढ़ परिसर से आयोजित होने वाले तुलसी नगर भ्रमण कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन प्रोफेसर डॉ. रमेश कुमार रावत, कुल सचिव, सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, गंगटोक (सिक्किम) द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी, प्रदेश संरक्षक डॉ. ओम प्रकाश शर्मा, प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा, जिला मंत्री ओमप्रकाश रीडर, चोमू विधानसभा अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा, पं. मनोज शर्मा, पं. विनोद शर्मा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे समाज में धार्मिक चेतना एवं सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। विराज फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने जानकारी देते हुए बताया कि तुलसी नगर भ्रमण के दौरान लगभग एक हजार महिलाएँ तुलसी माता के गमलों के साथ चोमू नगर में भ्रमण करेंगी और तुलसी माता की महिमा से जन-जन को अवगत कराते हुए जनचेतना का प्रसार करेंगी। साथ ही युवाओं एवं नई पीढ़ी को भी माता तुलसी के महत्व से जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि तुलसी नगर भ्रमण के पश्चात तुलसी मंजरीझशालिग्राम सहस्त्र पूजन का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रोफेसर डॉ. रमेश कुमार रावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि मनुष्य के जन्म से लेकर मृत्यु तक के सोलह संस्कार माता तुलसी के बिना पूर्ण नहीं माने जाते। सनातन संस्कृति में व्यक्ति की दिनचर्या प्रातः मंदिर में तुलसी युक्त चरणामृत के सेवन तथा प्रातः एवं सायंकाल माता तुलसी के समीप दीप प्रज्वलन से प्रारंभ होती है। बिना तुलसी के भगवान भी भोग स्वीकार नहीं करते। उन्होंने बताया कि विभिन्न धार्मिक पुराणों में माता तुलसी से संबंधित कथाओं, उनके दैनिक जीवन में महत्व तथा भगवान शालिग्राम के साथ माता तुलसी की विधिवत पूजा-अर्चना का विस्तृत वर्णन मिलता है। जो भक्त प्रतिदिन श्रद्धा-भाव से माता तुलसी की पूजा करता है और उन्हें भगवान शालिग्राम से कभी अलग नहीं करता, उसका गृहस्थ जीवन सफल हो जाता है। प्रो. रावत ने कहा कि प्रत्येक घर में माता तुलसी का पौधा एवं भगवान शालिग्राम की प्रतिमा होनी चाहिए।

51 बसों से जहाजपुर पँहुचकर आचार्य प्रज्ञा सागरजी महाराज को श्रीफल भेंट किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर गुलाबी नगर जयपुर से हजारों श्रावक शनिवार को जहाजपुर पँहुचकर तपोभूमि प्रेणता आचार्य प्रज्ञा सागरजी महाराज को श्रीफल भेंट किया। महावीर कासलीवाल ने बताया कि जयपुर गुरु आस्था परीवार 51 बसों द्वारा हजारों श्रावक-श्राविकाएँ अतिशयकारी मूलनायक 1008 श्री मुनिसुव्रतराथ भगवान जहाजपुर वाले बाबा के पावन दरबार में पहुँचकर दर्शन-वंदन-पूजन किया। ततपश्चात तपोभूमि प्रणेता आचार्य श्री प्रज्ञा सागरजी महाराज ससंघ विनयपूर्वक चातुर्मास हेतु श्रीफल भेंट किया व गुरू मां स्वस्तिधाम प्रणेती आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी का मंगल आशीर्वाद लिया। त्रिवेणी नगर से भी एक श्रावकों का दल संयोजक धर्मेन्द्र अजमेरा के सानिध्य में

जहाजपुर पहुंचा जहां तपोभूमि प्रणेता आचार्य श्री प्रज्ञा सागरजी महाराज व स्वस्तिभूषण माताजी को श्रीफल भेंट किया व मंगल आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर त्रिवेणी नगर दिगम्बर जैन समिति के उपाध्यक्ष; महावीर कासलीवाल, नरेश कासलीवाल सुरेश सेठ, नरेंद्र सेठी, महेन्द्र कुमार जैन, देवेंद्र कासलीवाल, प्रशांत अजमेरा, अशोक रारा, पदम चन्द झांझरी, सुनित जैन व महिला मंडल की बबीता लुहाड़िया, वंदना अजमेरा, मीनू रारा, डॉ दर्शना जैन, सरिता जैन, आशा बज, सरोज बज थी। **-महावीर कासलीवाल**

समर्पित और त्वरित सेवाओं के लिए गढ़ी पुलिस थाना अधिकारियों का सम्मान

ग्राम पंचायत डडूका. शाबाश इंडिया

सर्व समाज डडूका तथा महावीर इंटरनेशनल डडूका की ओर से गढ़ी पुलिस थाना के 7 पुलिस अधिकारियों का समर्पित एवं त्वरित सेवाओं के लिए बहुमान एवं अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सरपंच एवं प्रशासिका रेखा महवाई ने की, मुख्य अतिथि थानाधिकारी गढ़ी तेजसिंह सांदु तथा विशिष्ट अतिथि मांगीलाल ए एस आई, शैलेन्द्र पाटीदार हेड कांस्टेबल, मदन सिंह आसूचना अधिकारी, अशोक पाटीदार बीट कांस्टेबल महेंद्र सिंह ड्राइवर एवं नरेश चंद्र कांस्टेबल थे। प्रारंभ में कार्यक्रम संचालक अजीत कोठिया ने सभी का परिचय देते हुए पुलिस थाना गढ़ी की टीम की सक्रिय, समर्पित, त्वरित सेवाओं की सराहना की। डडूका गांव में 4 दिसंबर को हुई चोरी की घटना के त्वरित समाधान मात्र 4दिन में करने की ग्रामीणों ने मुक्त कंठ से सराहना की। स्वागत उद्बोधन पूर्व सरपंच मणिलाल सूत्रधार ने दिया। विष्णु प्रसाद रावल, राजेश शाह, रीतेश शाह रणजीत सिंह सोलंकी, सुंदरलाल पटेल, गौरव रावल सुंदरलाल स्वर्णकार, सेवा दास वैष्णव सहित कई ग्रामीणों ने पुलिस अधिकारियों की निष्ठा और समर्पित सेवा की सराहना की। इस अवसर पर गढ़ी थानाधिकारी तेजसिंह सांदु का मणिलाल सूत्रधार, विष्णु प्रसाद रावल, सुंदरलाल पटेल, राजेश शाह, रणजीत सिंह सोलंकी, रेखा महवाई ने साफा बंधवाकर, माल्यार्पण कर तथा दुपट्टा औढ़ा कर सम्मान किया। सभी सहयोगी पुलिस विभाग के समर्पित साथियों मांगीलाल, शैलेन्द्र पाटीदार, मदन सिंह, अशोक पाटीदार, महेंद्र सिंह एवं नरेश चंद्र का ग्रामीणों ने माल्यार्पण ओर उपरणा औढ़ा कर भव्य सम्मान किया। अपने उद्बोधन में तेजसिंह सांदु ने ग्रामीणों से पुलिस प्रशासन को दिए गए सहयोग ओर सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए सभी दुपहिया वाहनधारियों से हेलमेट पहनने का आह्वान किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में रेखा महवाई ने डडूका में पुलिस थाना गढ़ी द्वारा दिए गए सहयोग को उत्साहवर्धक बताया। इस अवसर पर जैन समाज डडूका की ओर से राजेश शाह, भरत जैन, राजेंद्र कोठिया, रीतेश शाह, अनिल कोठिया, सुधीर सेठ, केसरीमल भरड़ा, हितेश जैन, अशोक शाह, अजीत कोठिया, जयदीप शाह, दिनेश जे शाह, धनपाल शाह सहित सभी समाजजनों ने माल्यार्पण एवं पंच रंगी दुपट्टा औढ़ा कर सम्मान किया। महावीर इंटरनेशनल डडूका की ओर से सभी पुलिस अधिकारियों का समर्पित एवं त्वरित सेवाओं के लिए रणजीत सिंह सोलंकी, सुंदरलाल पटेल, विष्णुप्रसाद रावल, अजीत कोठिया, राजेंद्र कोठिया, हितेश जैन, मणिलाल सूत्रधार सहित कई सदस्यों ने अहिंसा दुपट्टा औढ़ा कर सम्मान किया। इस अवसर पर थानाधिकारी तेजसिंह सांदु ने महावीर इंटरनेशनल की मुख पत्रिका महावीर प्रवाह के स्वर्णजयंती अंक का लोकार्पण किया। जय हिंद के सैल्यूट भरे गौरवशाली आयोजन का संचालन महावीर इंटरनेशनल के इंटरनेशनल डायरेक्टर नॉलेज शेयरिंग एवं ई चौपाल अजीत कोठिया ने किया, आभार अशोक एम शाह ने व्यक्त किया।

भव्योदय अतिशय क्षेत्र, रैवासा में 1 जनवरी को होगा महा मस्त का अभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान प्रांत में दिगम्बर जैन धमार्नुयायियों के पंचम तीर्थंकर सुमतिनाथ भगवान के एकमात्र अतिशय क्षेत्र श्री दिगम्बर जैन भव्योदय अतिशय, रैवासा में नव वर्ष की शुरूआत हजारों की संख्या में श्रद्धालुगण सामूहिक रूप से श्रीजी के महामस्तकाभिषेक के साथ करेंगे। आइए, आप और हम सब भी मिलकर 1 जनवरी 2026 को प्रातः 8:30 बजे रैवासा पहुंचें और नव वर्ष की शुरूआत देवाधिदेव 1008 सुमतिनाथ भगवान के श्री चरणों में ढोक लगाकर, अभिषेक कर और दर्शन-पूजन कर करें। घर बैठे भी श्रद्धालुगण ₹300 प्रति कलश की राशि से अपने भाव अनुसार महामस्तकाभिषेक के पुण्यार्जन का लाभ उठा सकते हैं। शिरोमणि संरक्षक एवं कार्यकारिणी सदस्य जयकुमार जैन-बड़जात्या ने अवगत कराया कि 1 जनवरी को प्रातः 7:00 बजे नेशनल हैंडलूम, वैशाली नगर, जयपुर से श्रद्धालुओं के रैवासा जाने के लिए निशुल्क बस की व्यवस्था भी की गई है।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप आदिनाथ की साधारण सभा की मीटिंग सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रत्येक माह के तीसरे शनिवार को मासिक णमोकार महामंत्र पाठ के अंतर्गत आज दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप आदिनाथ के सदस्यो द्वारा दिगम्बर जैन मंदिर वरुण पथ मे णमोकार महामंत्र का पाठ किया गया जिसमे ग्रुप के अधिकतर सदस्यो ने भाग लिया। णमोकार के पश्चात साधारण सभा की मीटिंग हुई जिसमे नये सदस्यो का स्वागत किया गया इसके बाद ग्रुप के सदस्य कमल लुहाडिया एव ऊर्मिला लुहाडिया का विवाह के 50 वर्ष पूर्ण करने पर स्वागत किया गया। निर्मल कासलीवाल अध्यक्ष,विमल प्रकाश कोठारी सचिव ने बताया कि मंच संचालन ग्रुप के संरक्षक प्रदीप छाबड़ा ने किया सम्पूर्ण कार्यक्रम के संयोजक कैलाश बिन्दायका थे।

निर्मल कासलीवाल (अध्यक्ष)
विमल प्रकाश कोठारी (सचिव)

श्रद्धा और समर्पण में बडी शक्ति होती है: आचार्य विनिश्चय सागर महाराज

रविवार को दोपहर में 3 बजे मीरामार्ग के आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में होगा भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

गणाचार्य विराग सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज ससंघ का 13 वर्ष पश्चात जयपुर की पावन धरा पर मंगल प्रवेश हुआ है। इंजीनियर्रस कालोनी के शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य श्री ससंघ के दर्शनों के लिए शनिवार को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पडी। आचार्य श्री ससंघ शनिवार, 20 दिसंबर को प्रातः एस एफ एस दिगम्बर जैन मंदिर से मंगल विहार करते हुए न्यू सांगानेर रोड स्थित स्वर्ण गार्डन पर पहुचे जहां विनोद जैन कोटखावदा, कमल चन्द छाबड़ा, अनिल लुहाड़िया, मनीष छाबड़ा, अंकित लुहाड़िया, पुलकित लुहाड़िया, सपन छाबड़ा, सीए शुभम जैन, अंकित जैन सोनी, निमांशा लुहाड़िया आदि ने पाद पक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य अगवानी की। तत्पश्चात जुलूस मंदिर जी के लिए रवाना हुआ। मार्ग में समाजश्रेष्टी अनिल कुमार - संतोष देवी, अंकित - मोनिका, पुलकित - निमांशा, आदित्य, भाविका, याशी लुहाड़िया (बोराज वाले) सहित कई श्रद्धालुओं ने पाद पक्षालन एवं आरती की। मंदिर पहुचने पर मंदिर समिति एवं महिला मंडल द्वारा पाद पक्षालन एवं मंगल आरती कर अगवानी की गई। विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक शनिवार को इंजीनियर्रस कालोनी के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित धर्म सभा में आचार्य विनिश्चय सागर महाराज ने श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि श्रद्धा, समर्पण और विश्वास में बडी ताकत होती है। बडे से बडा कार्य भी इनसे आसानी से हो जाता है। देव शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पण और विश्वास ही सच्ची भक्ति है। पूर्व भव के कर्मो का फल अवश्य मिलता है। इसलिए अपने जीवन में अच्छे कर्म करते हुए प्रत्येक श्रावक को धर्म एवं सेवा कार्यों में समय देना चाहिए। इससे पूर्व पाद पक्षालन एवं जिनवाणी भेंट का पुण्यार्जन छाबड़ा एवं लुहाड़िया परिवार ने किया। इस मौके पर मीरामार्ग दिगम्बर जैन समाज, श्योपुर, एस एफ एस,त्रिवेणी नगर, सूर्य नगर तारों की कूट जैन समाज ने श्रीफल भेट कर अल्प प्रवास के लिए निवेदन किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

रक्तदान है प्राणी पूजा इसके जैसा ना दान दूजा - महेंत परमेंद्र नाथ महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

जय दुर्गा कॉलेज झोटवाड़ा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में बढ़ पीपली बालाजी धाम के महंत श्री परमेंद्र नाथ महाराज ने पहुंचकर रक्तदातों का मनोबल बढ़ाया व रक्तदान के फायदे एवं रक्तदान करने वालों को सबसे बड़ा दानी बताया दीप हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. अनिल गुप्ता ने कहा रक्तदान शिविर में लगभग 180 यूनिट रक्त एकत्र हुआ सभी दान दाताओं का आभार जताते हुए मोमेंटो एवं प प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर डॉ. ओपी बंसल, डॉ. निखिल बंसल, डॉ. मेधा गुप्ता, दिनेश अमन पूर्व चेरमैन, अजय सिंह चौहान,बिजेंद्र पाल सिंह, अजय दाधीच, डॉ मनोज लंबा,डॉ.रूपक सिंह, डॉ दीपक सिंह,गोकुल राम शर्मा, गोविंद, बजरंग लाल आदि गणमानी लोग उपस्थित रहे।

श्री चंद्रप्रभु युवा मंडल, शांति नगर द्वारा युवा मंडल क्रिकेट लीग 2025 संपन्न

शांति नगर सुपर किंग्स बनी विजेता

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री चंद्रप्रभु युवा मंडल, शांति नगर द्वारा आयोजित पाँचवां युवा मंडल क्रिकेट लीग-2025 सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में कुल चार टीमों ने भाग लिया। युवा मंडल के अध्यक्ष अजय जैन ''कोच वालों'' ने बताया कि प्रतियोगिता में फ्लाई वे, शांति नगर सुपर किंग्स, स्काई वॉकर एवं सिद्धांत सुपर स्टार्स टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले हुए। फ्लाई वे टीम की संरक्षकता संजय जैन बाकलीवाल ने की, शांति नगर सुपर किंग्स के संरक्षक विवेक गोदिका रहे, स्काई वॉकर टीम के संरक्षक विजय जैन ''कोच वाले'' रहे तथा सिद्धांत सुपर स्टार्स टीम के संरक्षक अधिवक्ता धर्मेंद्र जैन रहे। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला शांति नगर सुपर किंग्स एवं सिद्धांत सुपर स्टार्स के बीच खेला गया, जिसमें शांति नगर सुपर किंग्स ने विजय प्राप्त की। दूसरा मुकाबला स्काई वॉकर एवं फ्लाई वे टीमों के मध्य हुआ, जिसमें स्काई वॉकर विजयी रही। इसके पश्चात दोनों विजेता टीमों–स्काई वॉकर एवं शांति नगर सुपर किंग्स के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया, जिसमें स्काई वॉकर टीम विजेता एवं शांति नगर सुपर किंग्स उपविजेता रही। प्रतियोगिता में हार्दिक छाबड़ा को प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। फाइनल मुकाबले में दीपक जैन को श्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार प्रदान किया गया। सक्षम गोदिका को सर्वाधिक व्यक्तिगत रन बनाने तथा अनंत ठोलिया को सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन धर्मश्रेष्ठी नवीन-दीपाली संघी द्वारा फीता काटकर किया गया, जबकि दीप प्रज्वलन पवन-ऋचा कासलीवाल ने किया। समारोह के मुख्य अतिथि नवल-योगिता अग्रवाल रहे। संजय जैन ने बताया कि आयोजन में दिनेश मेहता, जितेंद्र मेहता, कृष्ण शर्मा, कमल मोतियानी, कैलाश शर्मा एवं प्रदीप-पूजा संघी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, शांति नगर की प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुशील गोधा, मंत्री सुनील बिलाला, युवा मंडल के उपाध्यक्ष विवेक गोदिका, महामंत्री संजय जैन, कोषाध्यक्ष मेकिन गोदिका, सह मंत्री नितिन पाटोदी, युवा मंडल के कार्यकर्ता, तथा 'शाबास इंडिया' समाचारपत्र के संपादक राकेश गोदिका सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

भगवान महावीर के 2552वें निर्वाणोत्सव वर्ष पर 51 बसों से 2552 श्रद्धालु पहुंचे जहाजपुर

आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज के जयपुर आगमन व 2026 चातुर्मास हेतु श्रीफल भेंट कर किया निवेदन

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रदेश में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना के उद्देश्य से एक साथ हजारों श्रावक भगवान मुनिसुव्रतनाथ के दर्शन करने, गुरु चरणों में श्रीफल भेंट कर पुण्य अर्जित करने तथा तपोभूमि प्रणेता व्याख्यान वाचस्पति आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ससंघ को जयपुर आगमन एवं वर्ष 2026 में जयपुर में चातुर्मास करने हेतु निवेदन करने के लिए शनिवार, 20 दिसंबर को प्रातः जयपुर से 51 बसों द्वारा अतिशय क्षेत्र स्वस्तिधाम जहाजपुर के लिए रवाना हुए। रवानगी के अवसर पर प्रतापनगर स्थित कुम्भा मार्ग पर बसों का मेला सा लग गया। मुख्य संयोजक दीपक बाकलीवाल एवं चेतन जैन निमोड़िया ने बताया कि सकल दिगंबर जैन समाज के अंतर्गत गुरुआस्था परिवार राजस्थान, अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनार बापूगांव एवं आदिश्वर धाम चाकसू की समिति द्वारा आयोजित इस एक दिवसीय धार्मिक यात्रा में जयपुर शहर की 48 कॉलोनियों के दिगंबर जैन मंदिरों से प्रातः 5 बजे 51 बसें स्वस्तिधाम जहाजपुर के लिए रवाना हुईं। सभी बसें अपनी-अपनी कॉलोनियों से चलकर प्रतापनगर के कुम्भा गेट पर पहुंचीं, जहां राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, मुनि भक्त अनिल जैन बनेठा, छोटा गिरनार अतिशय क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाशचंद बाकलीवाल, प्रशासनिक समन्वयक भारत भूषण जैन सहित अन्य गणमान्यजनों ने जयकारों के बीच जैन ध्वज दिखाकर बसों को रवाना किया। इस अवसर पर देवेंद्र बाकलीवाल, जिनेंद्र जैन जीतू, चेतन जैन निमोड़िया, नितिन जैन बनेठा, मनोज बाकलीवाल, दीपक बाकलीवाल, नरेश बाकलीवाल, अमित निमोड़िया, आशीष वैद सहित बड़ी संख्या में संयोजकगण उपस्थित रहे। मुख्य संयोजक नितिन बनेठा एवं अमित निमोड़िया ने बताया कि जयपुर से पहुंचे हजारों श्रावकों ने स्वस्तिधाम जहाजपुर में भूगर्भ से प्रकटित भगवान मुनिसुव्रतनाथ के देव-दर्शन कर प्रदेश में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। तत्पश्चात आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ससंघ एवं गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्य संयोजक मनोज बाकलीवाल एवं नरेश बाकलीवाल ने बताया कि आयोजित धर्मसभा में जयपुर के 2552 श्रद्धालुओं द्वारा आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ससंघ को श्रीफल भेंट कर जयपुर आगमन एवं वर्ष 2026 में जयपुर में चातुर्मास करने के लिए जयकारों के साथ निवेदन किया गया। धर्मसभा में आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन का पुण्यार्जन नत्थीमल-आशीष जैसवाल (कोटा) ने तथा जिनवाणी भेंट करने का पुण्यार्जन देवेंद्र बाकलीवाल परिवार ने किया। इस अवसर पर आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने प्रवचन में कहा कि स्वस्तिधाम जहाजपुर में भूगर्भ से प्रकटित भगवान मुनिसुव्रतनाथ की प्रतिमा जीवंत, अतिशयकारी एवं स्पंदन करती प्रतीत होती है। उन्होंने जयपुर के भक्तों की गुरु-भक्ति की सराहना करते हुए कहा कि वे शीघ्र ही जयपुर की ओर मंगल विहार करेंगे तथा सभी से देव-शास्त्र-गुरु के प्रति श्रद्धा, विश्वास और समर्पण बनाए रखने का आह्वान किया। इससे पूर्व गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी ने उद्बोधन में कहा कि सागर रूपी आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज के आगमन से आज संपूर्ण स्वस्तिधाम महासागर बन गया है और हम सभी को उसमें डुबकी लगाकर पूर्ण लाभ लेना चाहिए। मुख्य संयोजक चेतन जैन निमोड़िया ने बताया कि दोपहर में आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज एवं गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ के सान्निध्य में श्री मुनिसुव्रतनाथ विधान का संगीतमय आयोजन हुआ। इंद्र-इंद्राणियों ने भक्ति भाव से मंडल पर पाँचों वलयों में अष्ट द्रव्य के अर्घ्य चढ़ाए। समुच्चय महा-अर्घ्य के पश्चात भगवान मुनिसुव्रतनाथ की भक्तिमय आरती की गई। इस दौरान स्वस्तिधाम जहाजपुर समिति द्वारा राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, श्योपुर प्रतापनगर जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष अशोक बाकलीवाल, राजस्थान जैन युवा महासभा दक्षिण संभाग के अध्यक्ष चेतन जैन निमोड़िया सहित अन्य गणमान्यजनों का सम्मान किया गया। सायंकाल 51 बसों द्वारा सभी श्रद्धालु जहाजपुर से निवाई पहुंचे, जहां प्रवासरत वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आरती के पश्चात सभी बसें जयपुर लौट गईं। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि तपोभूमि प्रणेता आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज के सान्निध्य में जयपुर जिले के चाकसू में आदिश्वर धाम का निर्माण तथा बापूगांव में, जहां एक भी जैन परिवार निवास नहीं करता, वहां गिरनार जी की प्रतिकृति के रूप में छोटा गिरनार का निर्माण कराया गया है, जहां प्रतिदिन देशभर से हजारों श्रद्धालु दर्शन हेतु पहुंचते हैं।

क्या आपके जोड़ कट-कट की आवाज करते हैं?

क्या आपको कभी अचानक चलने, उठने और बैठने से घुटनों, कूल्हे और कोहनी की हड्डियों की कट-कट की आवाज आई है? क्या यह हड्डियों से जुड़ी किसी गंभीर बीमारी के लक्षण हैं? बहुत से लोगों को लगता है कि इस प्रकार की आवाज आने का मतलब है कि हड्डियां कमजोर हो चुकी हैं। कई बार लोग इसे जोड़ो से जुड़ा रोग समझ लेते हैं। हम आपको बता रहे हैं कि हड्डियों में आने वाली इस तरह के आवाज का क्या मतलब है और इसके क्या नुकसान हैं।

जोड़ों में इसलिए आती है यह आवाज

जोड़ों से आने वाली आवाज को मेडिकल भाषा में क्रेपिटस कहा जाता है। क्रेपिटस सामान्य लोगों के जोड़ों को हिलाने-डुलाने पर आने वाली ध्वनि का मेडिकल नाम है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि जोड़ों के भीतर रहने वाले द्रव में हवा के छोटे बुलबुले फूटते हैं। इन्हीं बुलबुलों के फूटने से यह आवाज पैदा होती है। कई बार जोड़ों के बाहर मौजूद मांसपेशियों के टेंडन या लिगामेंट्स की रगड़ से भी आवाज सुनाई देती है। ऑस्टियोआर्थराइटिस का संकेत है। बच्चों की हड्डियों में आने वाली आवाज से न डरें। अगर किसी बच्चे या किशोरावस्था में हड्डियों से कट-कट की आवाज आ रही है और उसकी हड्डियों में कोई दर्द या परेशानी का अनुभव नहीं हो रहा है तो परेशानी की कोई बात नहीं है। इसका मतलब यह नहीं कि बच्चे की हड्डियां कमजोर हैं या उसके शरीर में कैल्शियम की कमी है। हड्डियों से कट-कट की आवाज आने का मतलब है कि उसकी हड्डियों में वायु अधिक है। इस वजह से हड्डियों के जोड़ों में एयर बबल्स बनते हैं। और टूटते हैं। जिसकी वजह से हड्डियों से कट-कट की आवाज आती है। मेथी के दाने सेवन करें, अगर आपको अक्सर यह समस्या होती है, तो जैसा हमने बताया यह गठिया का या हड्डियों के जोड़ों में लुब्रिकेंट की कमी का संकेत हो सकते हैं। इसलिए इससे समय पर राहत पाना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कई घरेलू उपाय ट्राई कर सकते हैं। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए रात को आधा चम्मच मेथी दाना पानी में भिगो दें और सुबह मेथी दानों को चबा-चबा कर खाएं। उसके बाद पानी पी लें। इससे हड्डियों के बीच एयर बबल्स की समस्या खत्म हो सकती है।

दूध, गुड़ और चने मिलाकर लें

कई बार आवाज आने के मतलब हड्डियों के जोड़ों में लुब्रिकेंट की कमी का संकेत हो सकता है। अक्सर देखा जाता है कि ज्यादा उम्र के लोगों की हड्डियों से कट-कट की आवाज आती है और दर्द होता है। इससे छुटकारा पाने के लिए और कैल्शियम की पूर्ति के लिए हल्दी वाले दूध का सेवन जरूर करें। इसके अलावा दिन में एक बार गुड़ और भुने हुए चने जरूर खाएं। इससे हड्डियों की कमजोरी दूर हो जाएगी। **डा पीयूष त्रिवेदी एक्युप्रेशर एक्सपर्ट, अध्यक्ष, एक्युप्रेशर सेवा समिति जयपुर @ 9828011871**

भक्ति संध्या में जयपुर के जैन एवं अजैन समाज की विभिन्न संस्थाएं और परिवार सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम में Avi Raag Band International द्वारा देशभक्ति संगीत प्रस्तुति दी जाएगी, जबकि मंच संचालन सुश्री आशिका एवं निष्ठा जैन करेंगी।

जयपुर में 'एक शाम देशभक्ति के नाम

ऑपरेशन सिंदूर के वीर चक्र विजेता जयपुर निवासी ग्रुप कैप्टन अनिमेष जैन पाटनी का होगा भव्य सम्मान

जयपुर। जयपुर निवासी भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन और ऑपरेशन सिंदूर में अदम्य साहस का परिचय देने वाले वीर चक्र विजेता अनिमेष जैन पाटनी के सम्मान में सोमवार, 22 दिसंबर को जयपुर के नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसिया के तोतूका सभागार में भव्य देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर जयपुर की विभिन्न संस्थाओं द्वारा श्री पाटनी का अभिनंदन किया जाएगा। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि "एक शाम देशभक्ति के नाम" शीर्षक से होने वाले इस कार्यक्रम की शुरुआत शाम 7:30 बजे होगी, राष्ट्र भक्ति को समर्पित इस कार्यक्रम में अनिमेष पाटनी का उनके परिवार सहित सामूहिक अभिनंदन समाज की विभिन्न संस्थाओं परिवारों द्वारा किया जाएगा।ऑपरेशन 'सिंदूर 1.0' की असली सफलता राजस्थान के जयपुर निवासी भारत की वायु सेना के ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी की अद्भुत योजना और S-400 सिस्टम के मास्टर संचालन से मिली। S-400 इस युद्ध का निर्णायक गेम चेंजर था। श्री पाटनी ने अपनी बुद्धिमत्ता से पाकिस्तान-चीन की संयुक्त रणनीति को एक-एक कदम पर फ़ेल किया। आपको भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं उपस्थित होकर इस साहसिक कार्य के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। सबसे बड़ा कारनामा तब हुआ जब S-400 ने 314 किमी दूर पाकिस्तानी विमान (हवाई रेडार सिस्टम) को मार गिराया—जो दुनिया का नया रिकॉर्ड बना। भक्ति संध्या में जयपुर के जैन एवं अजैन समाज की विभिन्न संस्थाएं और परिवार सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम में Avi Raag Band International द्वारा देशभक्ति संगीत प्रस्तुति दी जाएगी, जबकि मंच संचालन सुश्री आशिका एवं निष्ठा जैन करेंगी। कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी में भक्तामर विधान और आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज की महापूजन के दौरान किया गया। इस मौके पर संरक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद जैन छाबड़ा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।गौरतलब है कि भारत सरकार ने पाकिस्तान के विरुद्ध चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में असाधारण वीरता के लिए ग्रुप कैप्टन अनिमेष जैन पाटनी को सेना के तीसरे सर्वोच्च सम्मान 'वीर चक्र' से सम्मानित करने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम के समन्वयक समाचार सार चैनल हैड गौतम जैन ने बताया कि यह आयोजन न केवल एक वीर सैनिक का सम्मान है, बल्कि राष्ट्रभक्ति, त्याग और शौर्य के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का सामूहिक संकल्प भी है।

घट यात्रा के साथ सिद्ध चक्र महामंडल विधान शुरू, शहर में निकाली गई शोभा यात्रा

छः दिनों तक चलेगा अनुष्ठान, विश्व में शांति और कल्याण की है कामना

मुकेश जैन लार. शाबाश इंडिया

टीकमगढ़। श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र अहार मे विश्व शांति एवं विश्व कल्याण के लिए श्री 1008 श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान सह विश्व शांति महायज्ञ शनिवार से शुरू हो गया। यह आयोजन 20 से 26 दिसम्बर तक दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र अहार जी में होगा। जैन मुनि श्रुतेश सागर,सुश्रुतेश सागर महाराज के सानिध्य में बड़े बाबा के मंदिर से गाजे-बाजे और ढोल-नगाड़े के साथ घट यात्रा निकाली गई। इसके बाद भी भक्ति की मस्ती कम नहीं हुई। डीजे की धुन पर जैन श्रद्धालु अपनी धुन में आगे

बढ़ते जा रहे थे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर का जयघोष किया। इसके पूर्व मंदिर में श्री जी का अभिषेक,शांति धारा और विधान की सभी मांगलिक क्रियाएं की गई। शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं सुसज्जित लाला वस्त्र में अष्टप्रतिहार्य एवं मंगल कलश लेकर आगे चल रही थी। घट यात्रा जैन मंदिर से निकलकर क्षेत्र परिसर की परिक्रमा करते हुए पंडाल में पहुंची। वहां पर जैन मुनि श्रुतेश सागर जी के निर्देशन में श्रीजी विराजमान कराया गया। उसके बाद मंडल विधान की मांगलिक क्रियाएं की गई। पंडाल के शिखर पर परंपरानुसार ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात मंडप शुद्धि और मंगलाष्टक पाठ के बाद पांडूशिला पर श्री जी को विराजमान कराया जाएगा। इसके साथ ही सिद्ध चक्र मंडल विधान का पूजन और अन्य धार्मिक अनुष्ठान शुरू किये गये। इस कार्यक्रम लेकर पुण्यर्जक परिवार सहित जैन समाज के लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। 6 दिनों तक यह कार्यक्रम चलता रहेगा। अंतिम दिन यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ ही सिद्ध चक्र महामंडल विधान का समापन हो जाएगा। समस्त विधि विधान बाल ब्र.संजय भैया,पंडित दीपक जी हजारीबाग,पंडित कमलकुमार शास्त्री के कुशल निर्देशन मे किया जा रहा है।

जनकपुरी के यात्री दल ने घोघा में आचार्य सुनील सागर जी ससंघ से प्राप्त किया आशीर्वाद

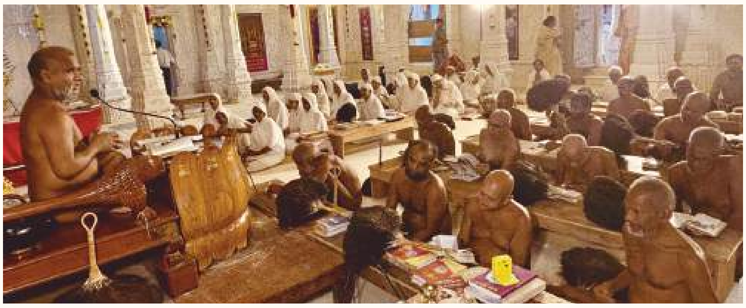

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर नेमिनाथ जैन मंदिर जयपुर से छ दिवसीय यात्रा पर गया यात्रा दल तारंगा, उमता , गिरनार आदि की यात्रा करते हुए ऐतिहासिक महत्व के घोघा अतिशय क्षेत्र पहुंचा जहाँ 2000 वर्ष पुराने जिन बिम्बो के दर्शन किए । श्रेष्ठी पदम जैन बिलाला ने बताया कि घोघा में आचार्य सुनील सागर जी मुनिराज का चतुर्विद संघ विराजित है जिन्होंने ने हाल ही में भव्य मंदिर के पञ्चकल्याण को संपन्न कराया है। इधर यात्रा दल ने आचार्य सुनील सागर जी को वंदन नमन कर जयपुर प्रवास हेतु निवेदन किया। यात्री सुनील सेठी के अनुसार आचार्य श्री ने जयपुर चातुर्मास प्रवास को यादगार बताते हुए गिरनार तीर्थ को याद किया साथ ही यात्री दल को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। यात्री दल ने यहाँ से सोनगढ़ पहुँच कर बाहुबली के विशाल मंदिर तथा जम्बू दीप की सुन्दर रचना के दर्शन किये।

जैसा औरो के लिए करेंगे, हमें वही प्राप्त होगा : आचार्य सुन्दर सागर महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य सुन्दर सागर महाराज ने आज अपने प्रवचन में कहा कि हम औरो का उपकार करेंगे तो जीवन में हमें भी उपकार ही मिलेगा और बुरे का प्रतिफल बुरा ही मिलेगा। इससे पूर्व संघस्थ मुनि सुज्ञेय सागर महाराज ने अपने प्रवचन में बताया कि हम बाहरी वस्तुओं, रिश्ते नाते आदि में सुख ढूंढ रहे हैं, जबकि ये सब सच्चा सुख नहीं है। अगर सच्चा सुख चाहते हो तो कर्म का सिद्धांत समझना होगा। आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ का इन दिनो नेमीसागर कालोनी में प्रवास चल रहा है। श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि आचार्य सुन्दर सागर महाराज द्वारा राम कहानी पर व्याख्यान चल रहा है। आज की श्रंखला में नल एवं नील के पूर्व भव का वर्णन किया गया। आज के दीप प्रज्जवलन, शास्त्र भेंट, पाद प्रक्षालन एवं आरती के पुण्यार्जक सुभाष अजमेरा एवं परिवार थे।

16 दिवसीय भक्तामर महामंडल विधान एवं आदिनाथ वंदना

अजमेर (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

शनिवार से श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर सोनीनगर अजमेर में शीतकालीन अवसर पर नववर्ष को मंगलमय बनाने हेतु 16 दिवसीय भगवान आदिनाथ एंव भक्तामर महामंडल विधान का आयोजन के अवसर पर आज तीसरे दिन प्रातः मूलनायक आदिनाथ भगवान के कलषाभिषेक व वृहदषान्तिधारा करने का सौभाग्य श्याम बडजात्या, विनोद दोसी, बाबूलाल जैन ने प्राप्त किया। प्रवक्ता संजय कुमार जैन ने जानकारी दी कि आज:नित्य नियम पूजन, वृहदषान्तिधारा के पष्चात महामंडल विधान पर डॉ. राजकुमार गोधा के निर्देषन मे 16 दिवस में 2688 अर्घ मांडने पर पुर्ण्याजक परिवारों द्वारा समर्पित किये जाएंगे। डॉ. गोधा ने बताया कि यह स्त्रोत आचार्य मानतुंग जी द्वारा बसंत तिलका छन्द में लिखा गया है जिसमें एक छन्द में चार लाख एवं प्रत्येक में 14 बीजाक्षर है इस प्रकार एक छन्द में 56 बीजाक्षर एंव पूरे स्त्रोत में 2688 बीजाक्षर है ।इन बीजाक्षर सहित छन्द के उच्चारण से जो पराध्वनि निकलती है वह बहुत शक्तिमान है जिससे स्वास्थ्य लाभ, मन का रूपान्तरण एवं चेतना शक्ति का उर्ध्वारोहण होता है। नियमित रूप से पाठ करने पर जीवन में सकारात्मक उर्जा का संचार होता है। आज कल अन्तर्राष्टीय स्तर पर भी कई ऐसे केन्द्र स्थापित है जो भक्तामर के छन्दों के माध्यम से अनेक प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक रोगो का इलाज कर रहे है। सांय में णमोकार पाठ भक्तामर पाठ एंव 108 दीपको से सामूहिक आरती सम्पन्न हुई।